

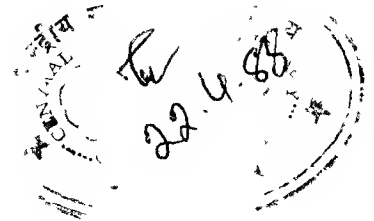


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 26]
No. 26]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 14, 1988/पौष 24, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 14, 1988/PAUSA 24, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1988

अधिसूचना

सं. 3/88-सीमा शुल्क

सा. का. नि. 31 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समझाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपबंध में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उक्त अधिदेवालय, नई दिल्ली में आभूषण के विनिर्माण के लिए स्पेशल एम्बोईड प्रोसिडेंट कम्प्लेक्स में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त कम्प्लेक्स कहा गया है) शत-प्रतिशत निर्यतोन्मुख उपक्रम द्वारा या उनके ओर से भारत बाहर निर्यात के लिए आभूषण के विनिर्माण में उपयोग के प्रयोजनों के लिए, भारत में आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरेफ प्रोवेंशन, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहीत समस्त सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क टैरेफ प्रोवेंशन के मा

3 के अधीन उस पर उद्ग्रहीत समस्त अतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्:—

- आयातकर्ता को उक्त कम्प्लेक्स में भारत से बाहर निर्यात के लिए आभूषण के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए उक्त कम्प्लेक्स में शत प्रतिशत निर्यतोन्मुख उपक्रम स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ;
- आयातकर्ता, जहां कहीं अपेक्षित हो, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इन निमित्त जारी किए गए कितने संचारण या विनिर्दिष्ट अनुज्ञापत्र के अधीन आता है ;
- आयातकर्ता को उक्त माल के आयात के लिए आवश्यक अनुज्ञापत्र मंजूर की गई है ;
- आयातकर्ता, सीमाशुल्क वसूलागोचर और देशी माल शर्तों के अधीन रहते हुए, जो सीमाशुल्क प्रत्यक्ष कटौत, परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, इन निमित्त विनिर्दिष्ट करे, आभूषण का निर्यात विनिर्माण प्रक्रिया में आयात किया करता है ;

- (v) आयातकर्ता, 0.999 की शुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण का भारतीय स्टेट बैंक या भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित किसी अन्य अभिकरण के माध्यम के त्विक्त आयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टकराल, मुम्बई द्वारा, ऐसे शुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण पर, पहचान चिह्न मुद्रित किया गया है ;
- (vi) आयातकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर का यह समझान करता है कि इस प्रकार आयातित उक्त माल का उपयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए अभूषण के विनिर्माण में किया जाएगा ।
- (vii) आयातकर्ता, ऐसे प्रप में और ऐसी राशि के लिए और ऐसे प्राधिकारी के पास जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसा बंधन निश्चित करने के लिए करार करता है जिसमें वह विहित मूल्यवर्धन मूल्य निर्यात बाध्यताओं को पूरा करने और अन्य बातों के साथ साथ इस अधिसूचना में और अनुमोदन बोर्ड द्वारा जारी किए गए अनुमोदन पत्र या आदेश पत्र या औद्योगिक अनुमोदन में दी गई शर्तों का पालन करने के लिए और ऐसे माल पर उद्घाटन सीमाशुल्क के बरबर रकम का माग किए जाने पर भुगतान करने के लिए स्वयं को अवबद्ध करता है जिसके बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समझानप्रद रूप में यह साबित नहीं किया जाता है कि उक्त निर्यात के लिए अभूषण के विनिर्माण में उपयोग किया गया है ;
- (viii) आयातकर्ता, उक्त कम्प्लेक्स में उक्त माल का लाने और भारत से बाहर निर्यात के लिए अभूषण के विनिर्माण में उक्त कम्प्लेक्स के भीतर उसका उपयोग करने के लिए करार करता है ;
- (ix) आयातकर्ता, उक्त कम्प्लेक्स के भीतर निर्मित सभी अभूषणों का अनुमोदन बोर्ड द्वारा बताई गई अवधि के लिए या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के लिए जो अनुमोदन बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, भारत से बाहर निर्यात करने के लिए करार करता है ;
- (x) उपरोक्त शर्त (ix) में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर; निर्यातकर्ता, निम्नलिखित शुल्क का संदाय करेगा, अर्थात् --
- (क) अवस्यजित मूल्य पर पूंजी माल पर किन्तु आयात के समय विद्यमान सीमा शुल्क की दर पर सीमाशुल्क ;
- (ख) आयात के समय पर मूल्य पर और निर्यात के समय प्रवृत्त सीमाशुल्क की दर पर कच्ची सामग्री और संघटक पर सीमाशुल्क ;
- (xi) आयातकर्ता, माल के आयात, उपयोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को, ऐसे प्रप में, ऐसी रीति से, ऐसे अंतरालों पर और ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ;
- (xii) आयातकर्ता यह करार करता है कि उक्त कम्प्लेक्स में विनिर्मित अभूषण को जिसके अंतर्गत उसके अधिष्ठ, कवर और प्रति-क्षेपण हैं, भारत में किसी अन्य स्थान पर किया जा सकता है के लिए नहीं लाया जाएगा ;
- (xiii) उस दशा में जब कोई शतप्रतिशत निर्यात हुआ हो सकिता बंद कर देता है तब अभूषण के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातुएं, मिश्र-धातु, रत्न और अन्य सामग्री का ऐसे व्यक्ति, उक्त अभिकरण या अधिष्ठान में आरंभ करेगा जिसे भारत सरकार का वाणिज्य मंत्रालय इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे ;
- (xiv) उक्त विनिर्माण प्रक्रिया या आरंभ प्रक्रिया में दुर्घटना की हानि, जो जड़ाऊ अभूषणों की दशा में तीन प्रतिशत व और हस्तशिल्प या मशीन निर्मित तब अभूषणों की दशा में दो प्रतिशत से अधिक हो, ऐसी शर्तों का पूरा करने पर, जो सीमाशुल्क कलक्टर विनिर्दिष्ट करने योग्य माने, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा अनुमत का जा सकेगा; और दुर्घटों और जड़ाई और बने हो वस्तुओं की दशा में, अनुमत हानि का अवधारण निर्यात प्रत्येक दुर्घटे, जड़ाई और बने हो वस्तु में स्वर्ण की मात्रा के भार का आधार पर किया जाएगा ;
- (xv) इस अधिसूचना के अन्तर्गत उक्त नव प्रप, जो पूंजी माल से भिन्न है, आयात और निर्यात, तथा देशी सीमाशुल्क निर्यात पत्रों से वायु माल माटे द्वारा अनुमत किया जाएगा ।

संश्लेषण.--इस अधिसूचना के प्रावधानों के लिए --

- (क) "अनुमोदन बोर्ड" से ऐसा बोर्ड अभिष्ट है जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के धारा 3 की उपधारा (1) के संश्लेषण 2 के खंड (ii) में निर्दिष्ट है ;
- (ख) "शतप्रतिशत निर्यातानुबद्ध आकर" का अर्थ होगा जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 3 के उपधारा (1) के संश्लेषण-2 के खंड (ii) में है ;
- (ग) "इण्डेक्सलान, नई दिल्ली" में अभूषण के विनिर्माण के लिए स्पेशल एक्सपोर्ट और एडिटेड कम्प्लेक्स में इण्डेक्सलान प्लेटेड फैक्टरी कम्प्लेक्स, नई दिल्ली के इन एक एक और जो समाविष्ट हैं ।

उपबन्ध

माल का वर्णन

1. पूंजी माल
2. कच्ची सामग्री
3. संघटक
4. उत्पादन मशीनरी के फालतू पुर्जे
5. माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित खपने वाली सामग्री
6. विनिर्माण क्रियाकलाप के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक प्रकार की वस्तुओं के दो से अधिक नमूने प्रोटोटाइप
7. विनिर्माण क्रियाकलाप से संबंधित आरेखन, ब्लूप्रिंट, तकनीकी मानचित्र और चार्ट
8. पैकेज सामग्री
9. औजार, जिग, प्रभापी, फिक्सचर, मांचे, ड्राई, उपकरण और उपसाधन ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 14th January, 1988

NOTIFICATION

No. 3-CUSTOMS/88

G. S. R. 31 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India for the purpose of use in the manufacture of jewellery for export out of India, by or on behalf of a hundred per cent export oriented undertaking in the Special Export Oriented Complex for the manufacture of jewellery at Jhandewalan, New Delhi (hereinafter referred to as the said Complex), from the whole of the duty of Customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty, if any leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer has been authorised to establish a hundred per cent export oriented undertaking in the said Complex for the purpose of manufacture of jewellery for export out of India;
- (ii) the importer is covered, wherever required by a general or specific permit issued in this behalf by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence for the import of the said goods;
- (iv) the importer carries out the manufacturing process or other operations in respect of jewellery in customs bond and subject to such other conditions as the Assistant Collector of Customs may, having regard to the circumstances of the case, specify in this behalf;
- (v) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint, Bombay;
- (vi) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the said goods so imported shall be used in the manufacture of jewellery for export out of India;
- (vii) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum and with such authority as may be specified by the Assistant Collector of Customs binding himself to fulfil the export obligation with the prescribed value addition and to fulfil, inter alia, the conditions stipulated in this notification and

in the Letter of Approval or Intent or the Industrial Licence issued by the Board of Approval and to pay on demand an amount equal to the duty of customs leviable on the said goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the manufacture of the jewellery for export;

- (viii) the importer agrees to bring the said goods into the said Complex and use them within the said Complex in the manufacture of jewellery for export out of India;
- (ix) the importer agrees to export out of India all the jewellery manufactured within the said Complex for the period stipulated by the Board of Approval or such extended period as may be specified by the Board of Approval;
- (x) on expiry of the period referred to in condition (ix) above, the importer shall pay the following duties, namely :—
 - (a) duty of customs on capital goods on depreciated value but at the rates of duty of customs prevalent at the time of import;
 - (b) duty of customs on raw materials and on components on the value at the time of import and at the rates of duty of customs in force at the time of clearances;
- (xi) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of exports made by him and shall submit such account to the Assistant Collector of Customs, in such form, in such manner, at such intervals and within such time, as may be specified by the Collector of Customs;
- (xii) the importer agrees that the jewellery, including the waste, refuse and rejects thereof, manufactured in the said Complex, shall not be brought to any other place in India, for whatever purpose;
- (xiii) in the event of such a hundred per cent export oriented undertaking ceasing its operations, gold, other precious metals, alloys, gems and other material for the manufacture of jewellery shall be transferred to such person, undertaking, agency or authority, as the Government of India in the Ministry of Commerce may specify in this behalf;
- (xiv) the loss of gold in the said manufacturing process or other operations, not exceeding three per cent in the case of studded jewellery, and two per cent in the case of handi-crafted or machine made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as the Collector of Customs may think fit to specify, and in the case of findings and mountings and the like, loss allowed shall be determined on the basis of the

weight of the gold content of each findings mountings and the like exported;

- (xv) the import and export of the said goods, other than the capital goods, under this notification shall be allowed only by air-freight through the Customs Airport at Delhi.

Explanation :—For the purposes of this notification,—

- (a) "Board of Approval" means the Board referred to in clause (ii) of Explanation 2 to sub-section (1) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) ;
- (b) "hundred per cent export oriented undertaking" shall have the same meaning as in clause (ii) of Explanation 2 to sub-section (1) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) ;
- (c) "Special Export Oriented Complex for the manufacture of jewellery at Jhandewalan, New Delhi" shall comprise of Blocks F and G of the Jhandewalan Flat-tered Factory Complex, New Delhi.

ANNEXURE

Description of goods

1. Capital goods.
 2. Raw Materials.
 3. Components.
 4. Spares of production machinery.
 5. Consumables required for manufacture of goods.
 6. Samples prototype, not exceeding two in number, of each type of articles covered by the manufacturing activity.
 7. Drawing, blue-prints, technical maps and Charts, relating to the manufacturing activity.
 8. Packaging materials.
 9. Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and Accessories.
- [No. 3—Customs|88-F. No. 305|26|86-FTT.]

अधिसूचना

सं. 4/88--सीमाशुल्क

सा. का. नि. 32 (ख) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 1) का धारा 93 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 207/87-सीमाशुल्क, तारीख 12 मई, 1987 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

“उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 109 और उसके संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि संशोधन का जाएगा, अर्थात्:—

“310 सं. 3 सीमाशुल्क, तारीख 14 जनवरी, 1983”

[सं. 4-सीमाशुल्क/88-ए. एफ. सं. 305/26/86-एफ टी टी]

आर. के. कपूर, जूनर सचिव

NOTIFICATION

No. 4/88-CUSTOMS

G. S. R. 32 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 93 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 207/87-Customs, dated the 12th May, 1987, namely :—

In the Schedule to the said notification, after S. No. 309 and the entry relating thereto, the following S. No. and entry shall be inserted, namely :—

“310 No. 3 Customs, dated the 14th January, 1983”.

[No. 4-Customs|88-F. No. 305|26|86-FTT.]

R. K. KAPOOR, Under Secy.*